ओलंपिक खेलों की कहानी

मिन्ना लेसी, चित्र : धान मुंटेर

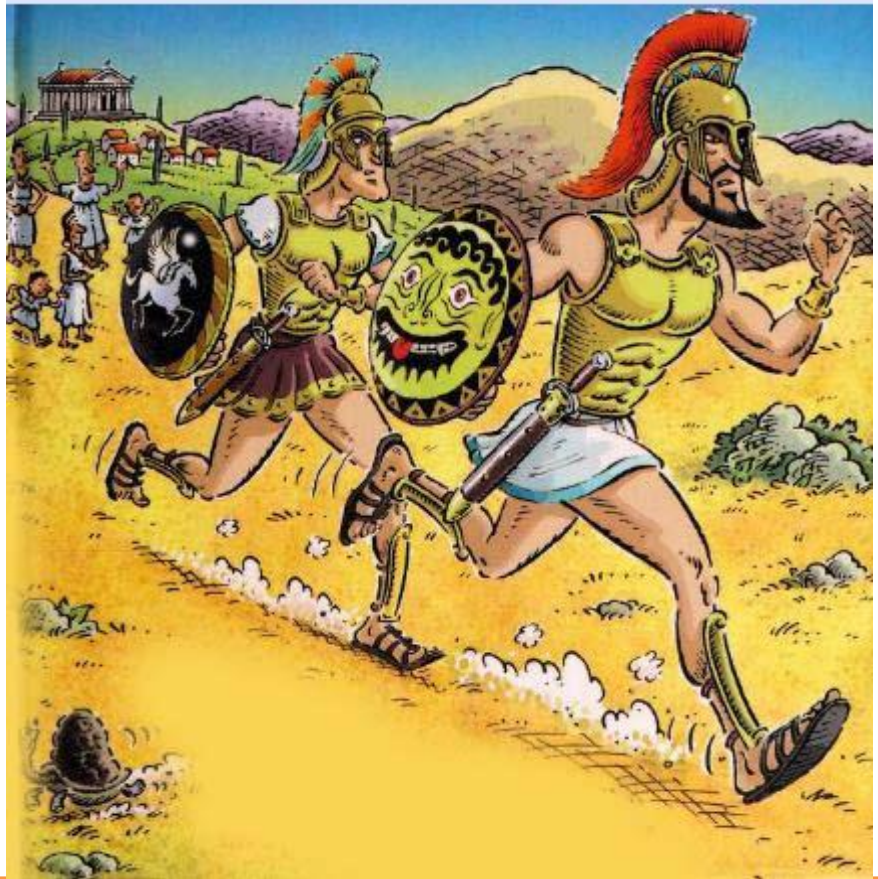

ओलंपिक खेलों की कहानी

मिन्ना लेसी, चित्र : धान मुंटेर

विषयवस्तु

अध्याय 1 प्राचीन ग्रीस में खेल

अध्याय 2 पहला खेल

अध्याय 3 प्रदर्शन

अध्याय 4 एक भव्य योजना

अध्याय 5 एक सफल शुरुआत

अध्याय 6 खेलों का विस्तार

अध्याय 7 धूमधाम और समारोह

अध्याय 8 ओलंपिक हीरो

ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की तिथियां

शीतकालीन ओलंपिक खेलों की तिथियां

अध्याय 1

प्राचीन ग्रीस में खेल

प्राचीन यूनानियों को प्रतिस्पर्धा करना पसंद था. वे हर चीज़ के लिए प्रतियोगिता आयोजित करते थे - सार्वजनिक भाषण, चित्रकला, लेखन, यहां तक कि चुंबन के लिए भी!

लेकिन सबसे लोकप्रिय प्रतियोगिताएं खेलकूद की होती थीं, जैसे दौड़ना, रथ दौड़, मुक्केबाजी, कुश्ती या डिस्कस फेंकना.

कोई भी बड़ा आयोजन खेल प्रतियोगिता के लिए एक अच्छा बहाना था. यूनानी लोग दावतों और धार्मिक उत्सवों के अवसर पर दौड़ और कुश्ती के मैच आयोजित करते थे - और ज़नाज़े भी.

जब वे युद्ध में जाते तो भी वे अपने भाले और डिसकस लेकर जाते थे.

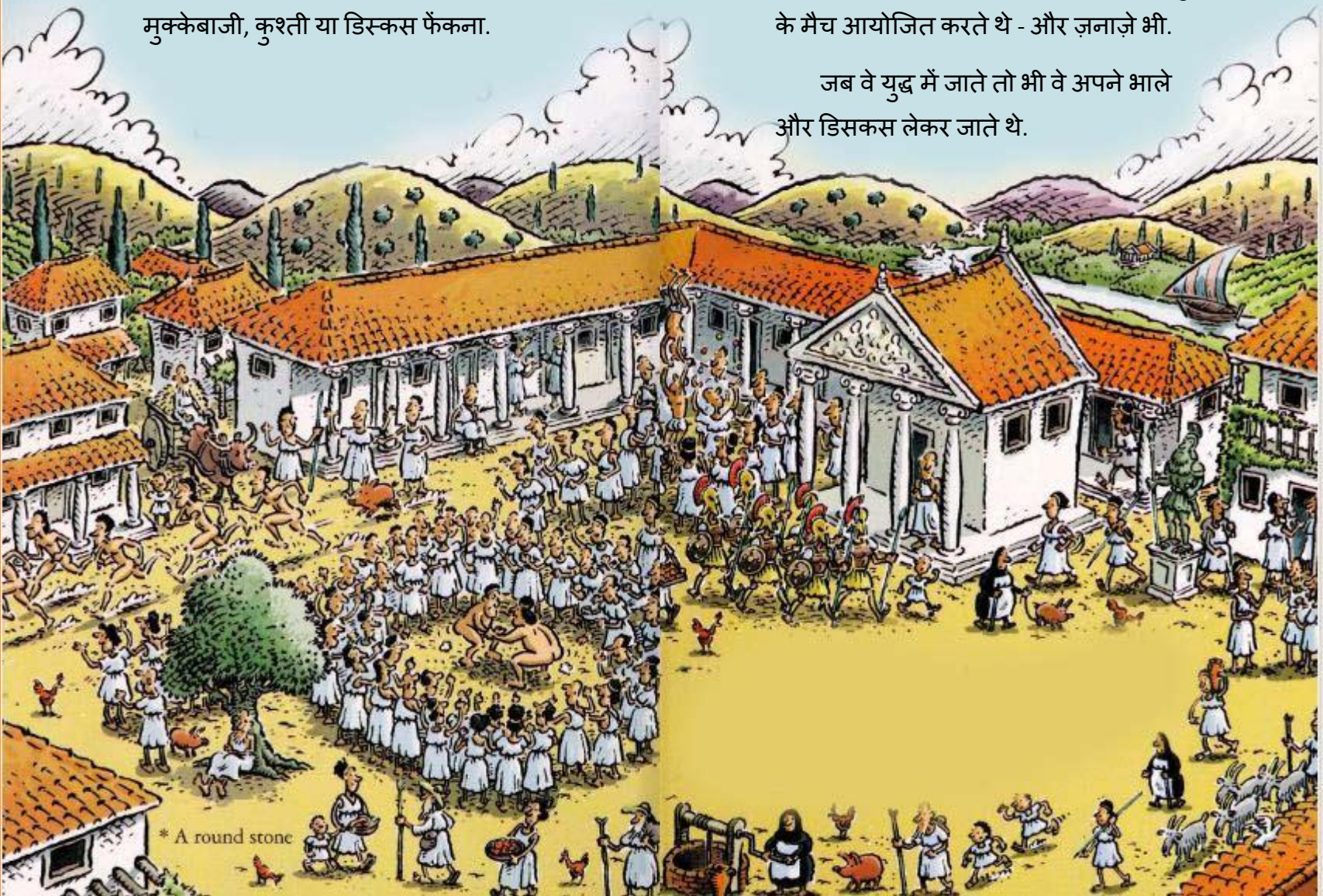

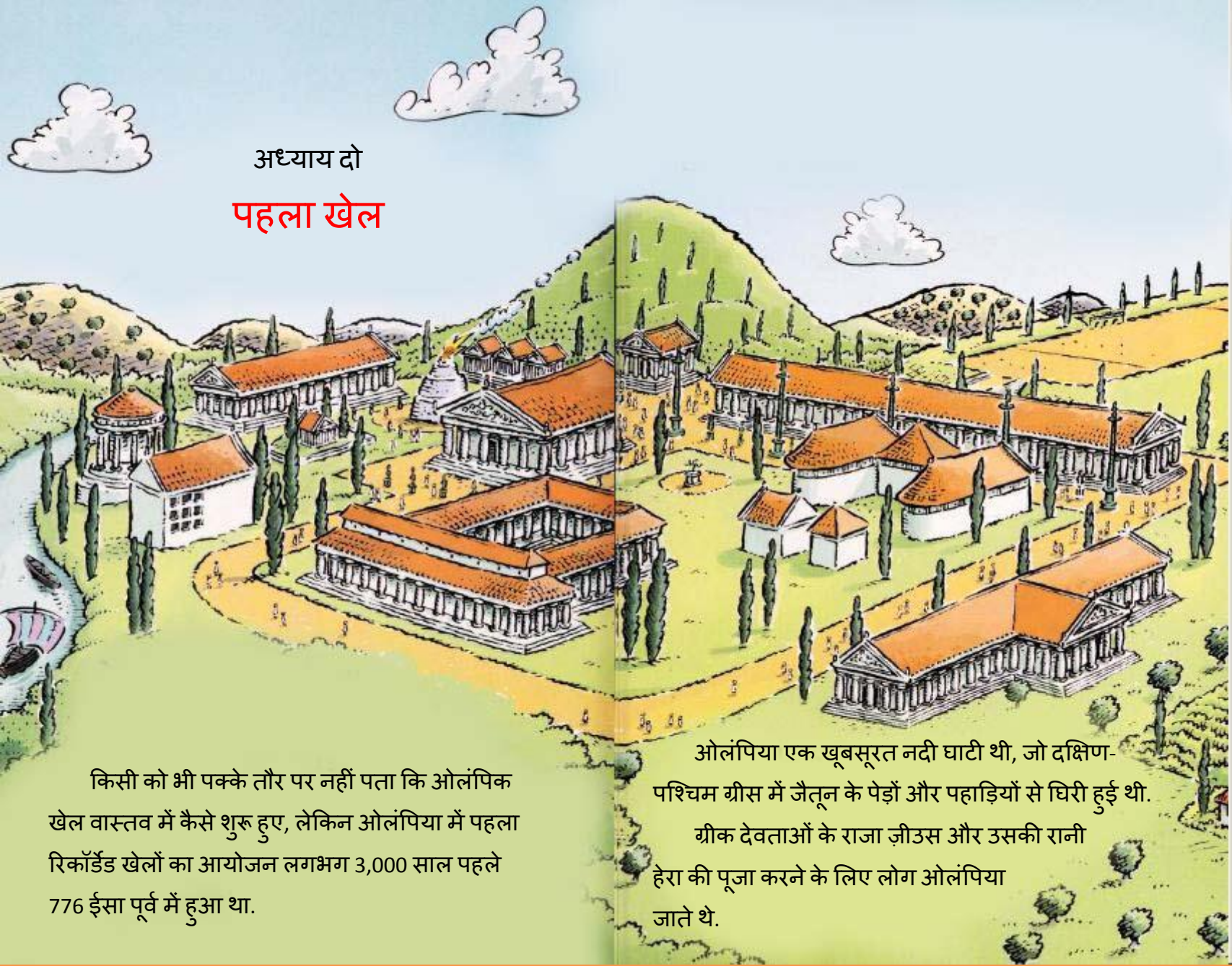

अध्याय दो

पहला खेल

किसी को भी पक्के तौर पर नहीं पता कि ओलंपिक खेल वास्तव में कैसे शुरू हुए, लेकिन ओलंपिया में पहला रिकॉर्डेड खेलों का आयोजन लगभग 3,000 साल पहले 776 ईसा पूर्व में हुआ था.

ओलंपिया एक खूबसूरत नदी घाटी थी, जो दक्षिण-पश्चिम ग्रीस में जैतून के पेड़ों और पहाड़ियों से घिरी हुई थी.

ग्रीक देवताओं के राजा ज़ीउस और उसकी रानी हेरा की पूजा करने के लिए लोग ओलंपिया जाते थे.

एक कहानी के अनुसार ज़ीउस के बेटे, ग्रीक हीरो हेराक्लीज़ ने, ओलंपिक खेलों की शुरुआत की थी.

एक अन्य कहानी के अनुसार लिडिया के राजकुमार पेलोप्स की याद में अंतिम संस्कार के रूप में, उन खेलों की शुरुआत हुई. सालों पहले पेलोप्स ने रथ की दौड़ जीती थी. वो एक सुंदर राजकुमारी को अपनी दुल्हन के रूप में जीतने के लिए दौड़े थे.

लेकिन खेलों की शुरुआत शायद ज़ीउस की प्रशंसा में ओलंपिया में एक बड़े धार्मिक उत्सव के रूप में हुई हो.

सबसे पहले, खेलों में केवल एक ही दौड़ थी - 190 मीटर (623 फीट) की दौड़ जो स्टेडियम की लंबाई भी थी.

उसमें सभी धावक ग्रीक पुरुष थे. जो महिलाएं दौड़ में भाग लेनाचाहती थीं, उनका एक अलग पर्व होता था जिसे "हेरिया" कहा जाता था.

776 ईसा पूर्व से, खेल ओलंपिया में हरेक चार साल में, आमतौर पर अगस्त में आयोजित किए जाते थे. खेलों के बीच चार साल की अवधि को "ओलंपियाड" कहा जाता था.

प्राचीन ग्रीस में पुरुष एथलीटों के लिए "नग्न" प्रतिस्पर्धा आयोजित करने की परंपरा थी. इससे मर्दों को अपनी मज़बूत मांसपेशियां और शरीर को दिखाने का मौका मिलता था.

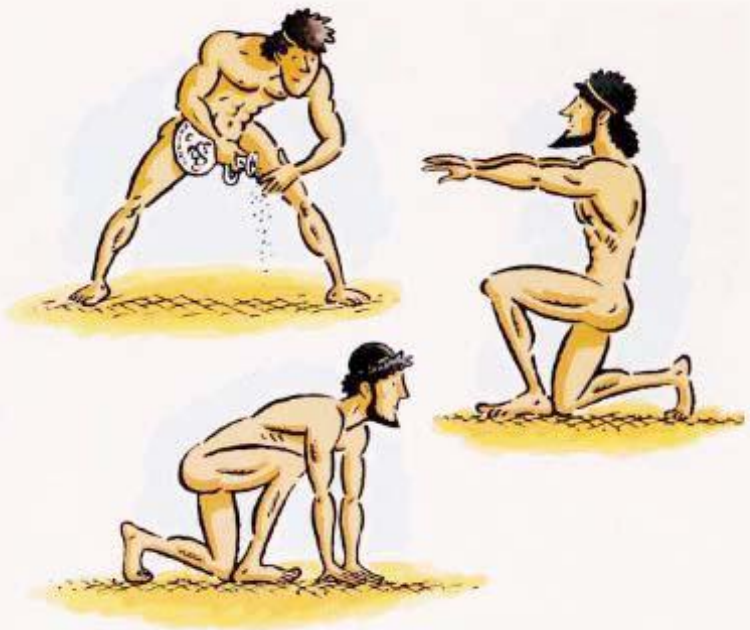

वार्म-अप अभ्यास से पहले, प्रत्येक एथलीट अपने शरीर पर जैतून का तेल रगड़ता था. पहलवान अतिरिक्त पकड़ के लिए अपने शरीर पर पाउडर और रेत मलते थे.

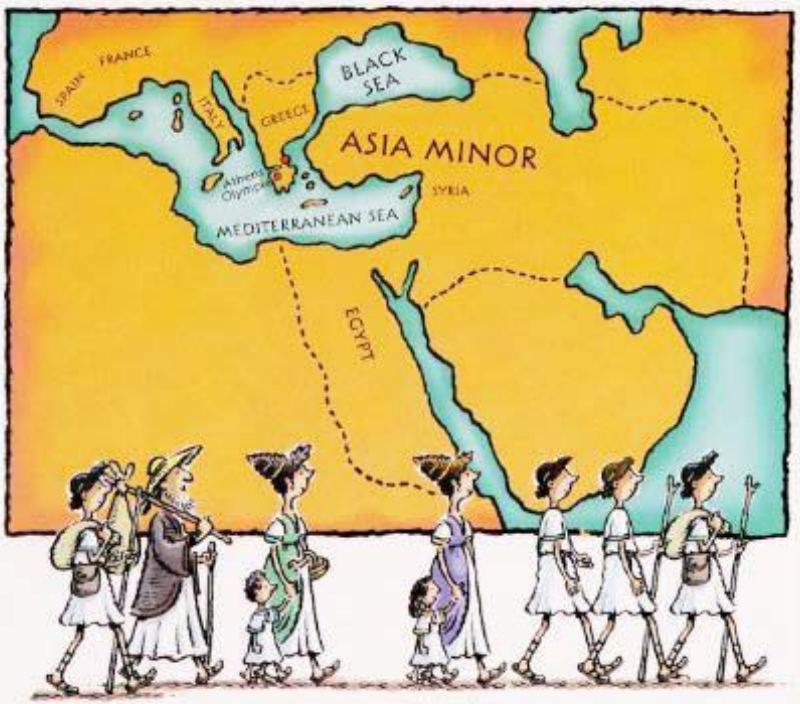

समय के साथ-साथ ओलंपिक खेल ग्रीस में सबसे लोकप्रिय खेल उत्सव बन गए. उन्हें देखने के लिए इटली, सीरिया, मिस्र और ब्लैक-सी जैसी दूर-दूर जगहों से हजारों की संख्या में दर्शक उमड़ते थे.

456 ईसा पूर्व में ओलंपिया में ज़ीउस का एक भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ. उसे देखने के लिए बड़ी भीड़ उमड़ी.

लोग ज़ीउस की 13-मीटर (43-फीट) ऊंची प्रतिमा को देखने के लिए लाइन में खड़े होते थे.

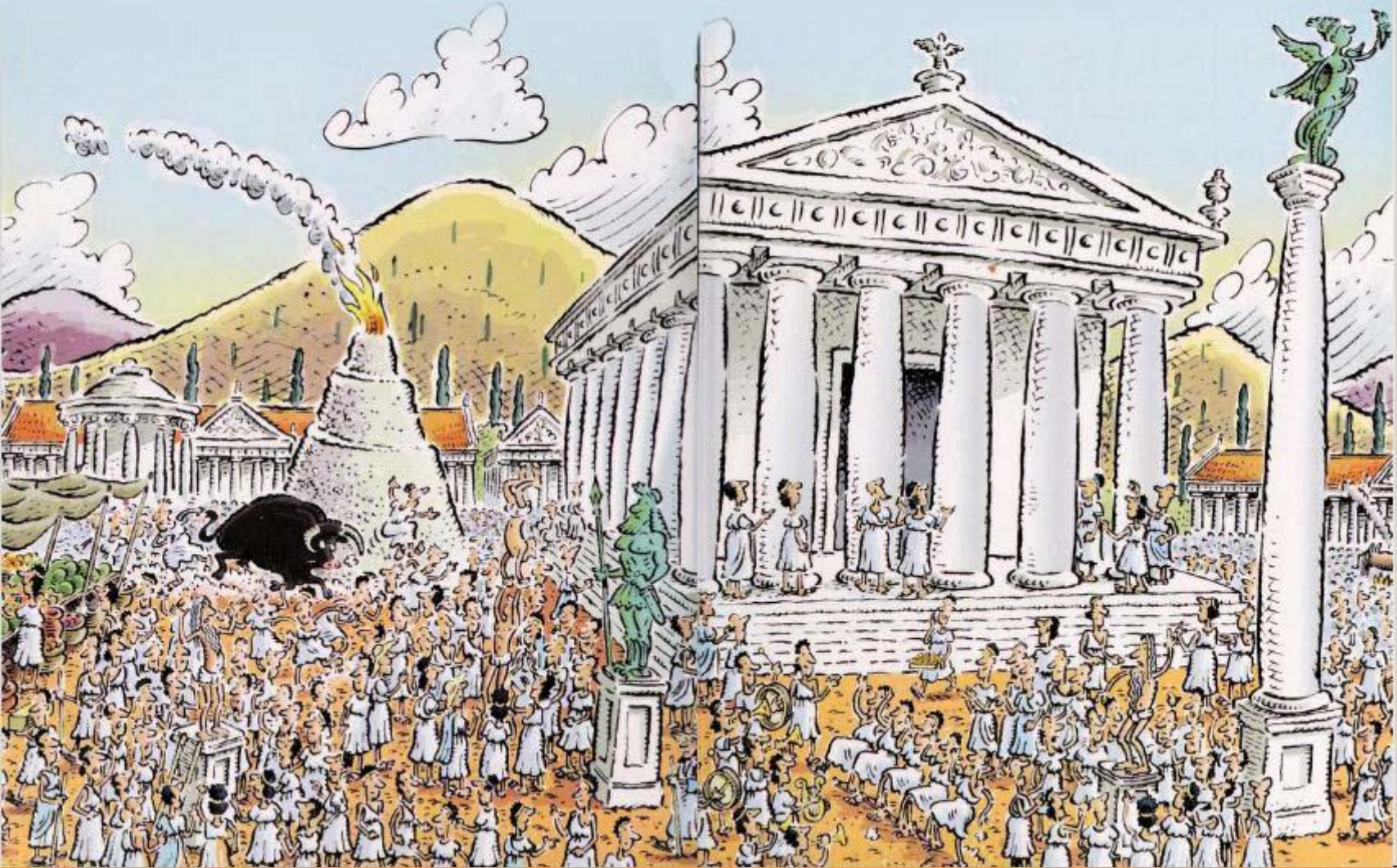

केवल पुरुष और अविवाहित महिलाएं ही खेलों को देख सकती थीं. नहीं तो उन्हें मौत की सजा होती थी. एक विवाहित महिला ने अपने बेटे की बॉक्सिंग स्पर्धा देखने के लिए एक प्रशिक्षक की वेशभूषा पहनकर खुद छिपाया. लेकिन जब बेटा जीता तो उस महिला का भेद खुल गया. सौभाग्य से, उसके पिता और भाई सभी ओलंपिक चैंपियन थे, इसलिए उस महिला की जान बच गई.

तब से प्रशिक्षकों को भी नग्न ही रहना पड़ता था.

अध्याय 3

प्रदर्शन

हर चौथे वसंत में, तीन दूत "शांति की अवधि" की घोषणा करने के लिए पूरे ग्रीस की यात्रा करते थे. उससे ओलंपिया के आसपास खेलों के एक महीने पहले और एक महीने बाद तक लड़ाई रुक जाती थी. उसे "ओलिंपिक-शांति" कहते थे.

ग्रीक लोग लगातार युद्ध लड़ते रहते थे. लेकिन युद्ध-विराम के दौरान, ओलंपिया के पास लड़ाई पर रोक लग जाती थी ताकि लोग सुरक्षित रूप से पर्व में भाग लेने के लिए यात्रा कर सकें.

जैसे ही युद्ध-विराम समाप्त होता, लोग फिर युद्ध में वापस चले जाते थे.

खेलों के शुरू होने के 100 वर्षों के बाद वहां 18 मुख्य कार्यक्रम (इवेंट) होते थे. पहली एक रथ दौड़ होती थी जिसे "टेथ्रिपोन" कहते थे. वो हिप्पोड्रोम नामक एक क्षेत्र में होती थी.

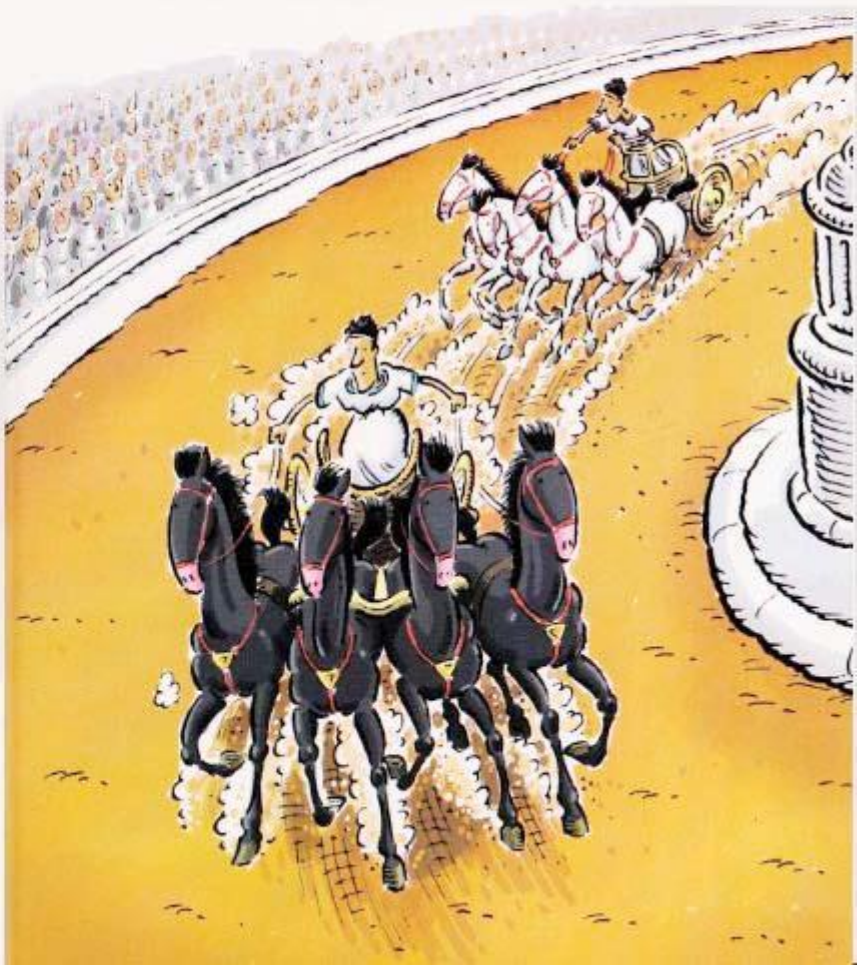

मुख्य आकर्षण पेंटाथलॉन था, जो पांच इवेंट्स की एक श्रृंखला थी. किंवदंती के अनुसार, उसका आविष्कार जेसन नाम के एक ग्रीक हीरो ने किया था. जेसन ने अपने दोस्त पेलेस के खिलाफ पहले पेंटाथलॉन में प्रतिस्पर्धा की थी.

पेंटाथलॉन में डिस्कस फेंकना ...

भाला फेंक...

दौड़ना...

कुश्ती ...

और लंबी कूद शामिल थी.

सबसे भयावह इवेंट एक क्रूर लड़ाई प्रतियोगिता थी जिसे "पैंकराशन" कहा जाता था. उसमें पुरुष एक-दूसरे की हड्डियों को मुक्के और लात मारकर तोड़ सकते थे. जिन चीज़ों की अनुमति नहीं थी, वे थीं प्रतिद्वंदी को चबाना और उसकी आँखें नोचकर बाहर निकालना.

ओलंपिक विजेताओं को जैतून के पत्तों का ताज पहनाया जाता था और उनके नाम के ऊपर कवितायें रची जाती थीं और पूरे ग्रीस में उन गीतों और कविताओं को सुनाया जाता था.

जब (ईसा पूर्व) दूसरी शताब्दी में, रोमनों ने ग्रीस पर विजय प्राप्त की, उस समय खेल काफी लोकप्रिय थे.

लेकिन ओलम्पिक शुरू होने के 1,166 साल बाद 393 ई. में, थियोडोसियस प्रथम नाम के एक ईसाई रोमन सम्राट ने उन पर प्रतिबंध लगा दिया. उसके सैनिकों ने ज़ीउस के मंदिर को भी नष्ट कर दिया.

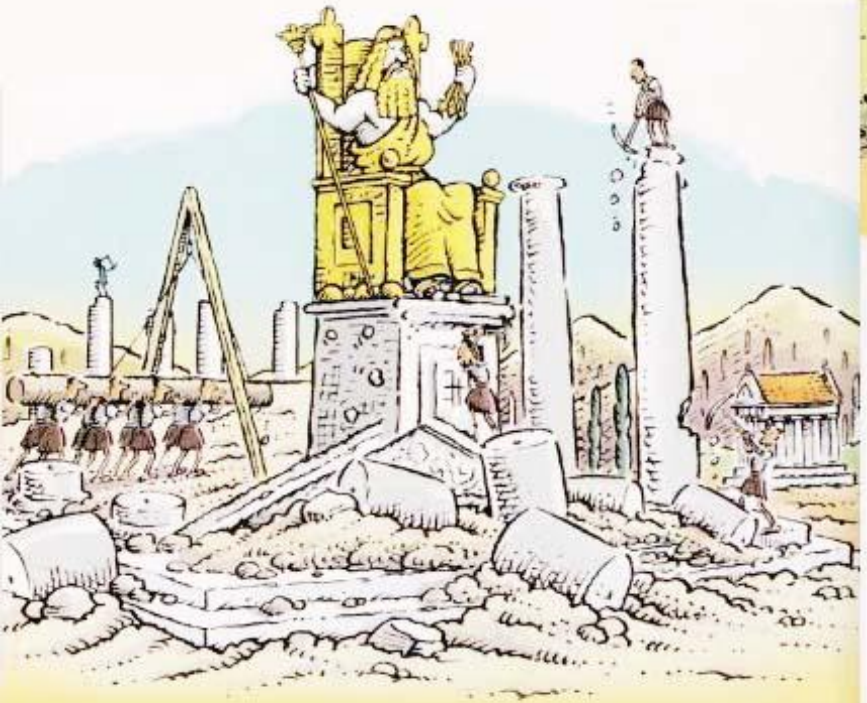

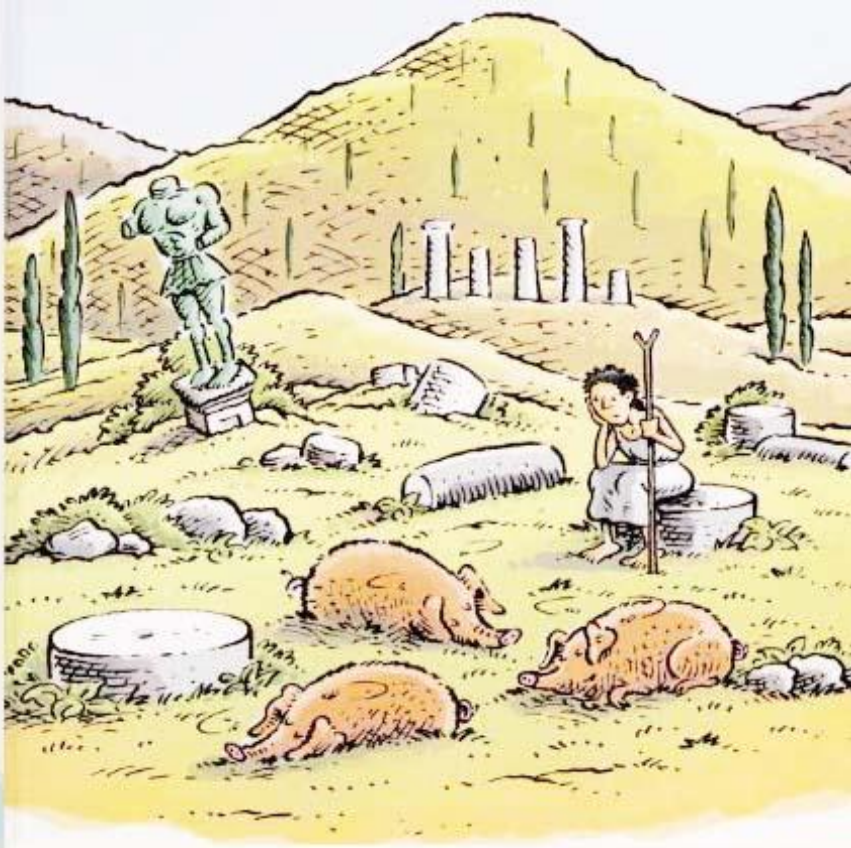

बाद के वर्षों में, ओलंपिया बर्बाद हो गया. भूकंप और फिर बाढ़ के बाद, खेल का स्थल जमीन के नीचे दब गया.

1,000 से अधिक वर्षों खेल का स्थल ज़मीन के नीचे छिपा रहा ...

अध्याय 4

एक भव्य योजना

1875 में, अन्र्स्ट कर्टियस नाम के एक जर्मन पुरातत्वविद् ने ओलंपिया के खंडहरों के बीच मंदिरों, मूर्तियों और बर्तनों की खोज की. उससे उन प्राचीन खेलों में, लोगों की रुचि दुबारा पैदा हुई.

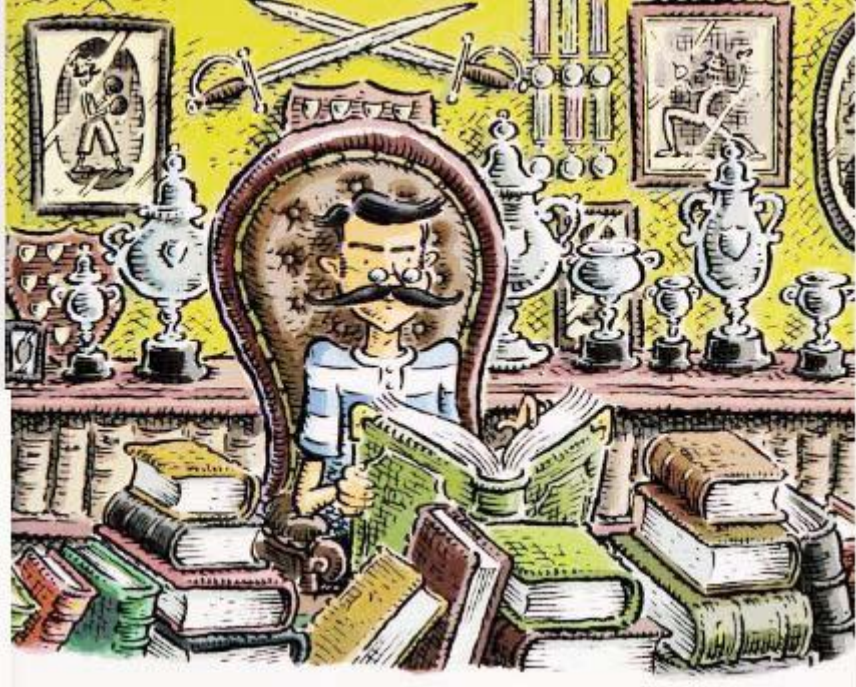

एक फ्रांसीसी रईस, बैरन पियरे डी कौबर्टिन, ओलंपिक से मोहित थे. उन्होंने ओलंपिक के बारे में सब कुछ पढ़ा. डी कौबर्टिन खुद एक उत्साही मुक्केबाज, तलवारबाज़, नौका-चालक और घुड़सवारथे. डी कौबर्टिन का मानना था कि खेल, सभी लोगों को तंदरुस्त और अधिक सफल बनने में मदद कर सकते थे.

उन्होंने विभिन्न देशों में खेल कैसे खेले जाते थे उसका अध्ययन किया. इंग्लैंड में रग्बी जैसे भयंकर प्रतिस्पर्धा वाले खेल स्कूलों में खेले जाते थे. डी कौबर्टिन ने उसकी प्रशंसा की.

उन्होंने इंग्लैंड में मच वेनलॉक नामक एक छोटे से शहर का भी दौरा किया, जहाँ पर एक खेल उत्सव आयोजित किया जाता था जिसका नाम था : वेनलॉक ओलंपियन खेल.

इससे उनके मन में एक विचार कौंधा. 1892 में, खेल अधिकारियों की एक सभा में, डी कुबर्टिन ने एक अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक खेल शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की.

डी कुबेर्टिन ने हार नहीं मानी. उन्होंने दो साल अथक रूप से पत्र लिखने और विश्व नेताओं से बात करने में बिताए. अंत में, उन्होंने खेल अधिकारियों की एक और बैठक आयोजित की. इस बार उनकी योजना को स्वीकार कर लिया गया. डी कुबर्टिन रोमांचित हो उठे.

उनका अगला काम नए ओलंपिक के आयोजन के लिए एक समूह बनाना था. इसे अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, या आईओसी (IOC) के रूप में जाना जाने लगा.

अध्याय 5

एक सफल शुरुआत

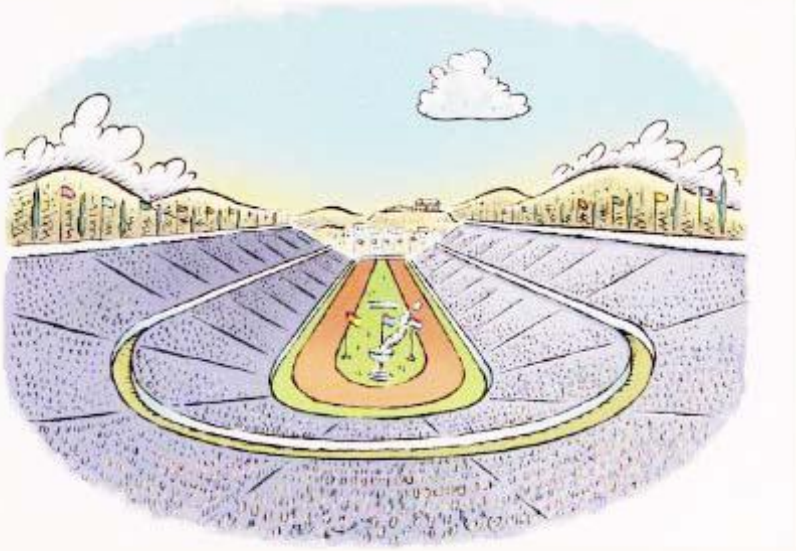

पहला आधिकारिक आधुनिक ओलंपिक खेल,
6 अप्रैल 1896 को ग्रीस के एथेंस शहर में खोला गया.

14 देशों के पुरुष एथलीटों को, नौ अलग-अलग खेल स्पर्धाओं में खेलते हुए देखने के लिए हजारों दर्शक इकट्ठा हुए. यह स्पर्धाएं थीं - एथलेटिक्स, साइकिल चलाना, तलवारबाजी, जिमनास्टिक, शूटिंग, तैराकी, टेनिस, भारोत्तोलन और कुश्ती.

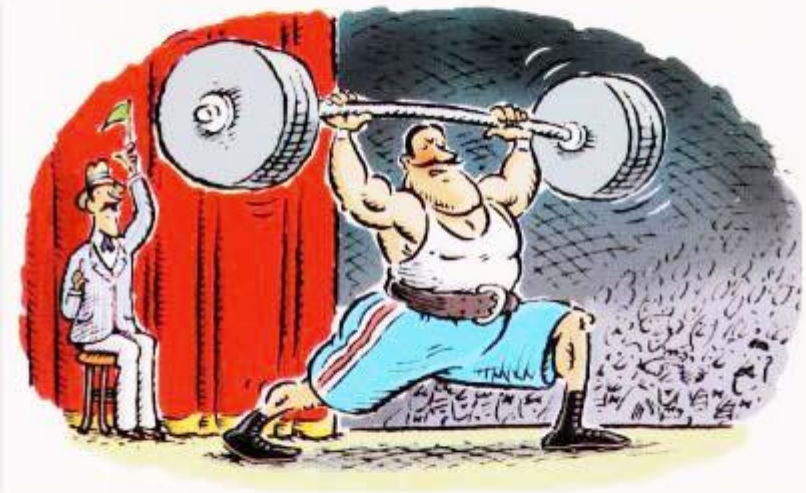

महिलाएं खेलों को केवल देख सकती थीं. उन दिनों, डी कुबर्टिन सहित कई लोगों का मानना था कि महिलाएं ओलंपिक खेल खेलने के लिए बहुत नाजुक थीं.

कई एथलीटों के लिए सबसे बड़ी समस्याओं में से एक थी - एथेंस की यात्रा. जेम्स कोनोली नाम के एक अमेरिकी ने अपनी लगभग सारी बचत पूँजी न्यूयॉर्क से नेपल्स की नाव यात्रा पर खर्च कर दी, जिसमें 17 दिन लगे.

पर वो यात्रा इसके लायक थी. कोनोली ने हॉप, हॉप और जंप (अब ट्रिपल जंप) जीता, और आधुनिक खेलों में पहले पदक के विजेता बने.

उस समय प्रवेश नियम बहुत सख्त नहीं थे. जॉन बोलैंड नाम के एक आयरिश पर्यटक ने आखिरी मिनट में साइन-अप किया ... और उसने टेनिस एकल और युगल प्रतियोगिताओं को जीता.

तैराकों को विशेष रूप से मुस्तैद होना पड़ता था. उन्हें नावों से खुले समुद्र में कूदना पड़ता था और बर्फीले ठंडे पानी में किनारे की ओर तैरना पड़ता था.

एथेंस ओलंपिक में 40-किमी (लगभग 25-मील) मैराथन दौड़ का अविष्कार हुआ. वो उसका मुख्य आकर्षण थी.

मैराथन दौड़ फीडिप्पिड्स नाम के एक यूनानी सैनिक की कहानी से प्रेरित थी. ईसा पूर्व 490 में, उन्होंने फारसियों पर ग्रीस की जीत की खबर फ़ैलाने के लिए मैराथन से एथेंस तक इतनी दूरी तय की थी.

जैसे ही एथेंस में पहली मैराथन दौड़ ख़त्म होने के करीब आई, भीड़ ने अपने पैरों पर छलांग लगाईं क्योंकि स्पिरिडॉन लुइस नामक एक ग्रीक धावक ने, अंतिम चक्कर के लिए स्टेडियम में प्रवेश किया था.

अपने उत्साह पर काबू पाने में विफल होने के बाद दो यूनानी राजकुमार, ग्रीस के किंग जॉर्ज 1 के बेटे, ट्रैक पर कूद गए और लुई के साथ फिनिश लाइन तक दौड़े.

अध्याय 6

खेलों का विस्तार

एक बहुत ही सफल शुरुआत के बाद, IOC ने हर चार साल बाद, किसी अलग शहर में ओलंपिक खेल आयोजित करने का फैसला किया.

1900 में, खेल पेरिस, फ्रांस में आयोजित किए गए. इस बार महिलाएं खेलों में भाग ले सकती थीं, लेकिन केवल गोल्फ और टेनिस जैसे "महिलाओं' के खेलों में.

लंदन मैराथन की शुरुआत को किंग एडवर्ड सप्तम और रानी अलेक्जेंड्रिया अपने राजमहल विंडसर कैसल से देखना चाहते थे.

अमेरिका के सेंट लुइस में 1904 के ओलंपिक के बाद, IOC ने 1908 के खेल, रोम, इटली को प्रदान किए. पर इटली में ज्वालामुखी माउंट वेसुवियस भड़क उठा और फिर ओलंपिक खेलों को जल्दी से लंदन, इंग्लैंड में स्थानांतरित किया गया.

इसलिए दौड़ की लम्बाई को ठीक 42.195-किमी (26-मील 385-गज) तक बढ़ाया गया. तब से लेकर अब तक, हर मैराथन दौड़ में यही दूरी रही है.

लंदन ओलंपिक में लोगों ने पहली बार डी कौबर्टिन के ओलंपिक 'विचारों' को सुना.
डी कौबर्टिन का ओलंपिक के बारे में सोच था :

एंटवर्प, बेल्जियम में 1920 के खेलों के बाद, IOC ने फैसला किया कि उनके पास बर्फ पर खेलने वाले पर्याप्त खेल थे. इसलिए उन्होंने अलग से शीतकालीन खेल प्रतियोगिता शुरू की.

पहला शीतकालीन ओलंपिक 1924 में, फ्रांस के शैमॉनिक्स में हुआ. उसमें स्कीइंग, फिगर स्केटिंग और आइस हॉकी शामिल थे. 1992 के बाद से, यह शीतकालीन खेल, ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के दो साल बाद होते हैं.

साल-दर-साल ओलिंपिक में और अधिक खेल जोड़े गए क्योंकि यह नए खेल अधिक लोकप्रिय हुए थे. 1896 (एथेंस) में 9 खेल और 52 कार्यक्रम थे, 1952 (हेलसिंकी, फ़िनलैंड) में 17 खेल और 149 कार्यक्रम थे, और 2004 तक एथेंस में (फिर से) 28 खेल और 301 कार्यक्रम थे.

जिन खेलों को हाल ही में जोड़ा गया है उनमें 1976 में आइस-डांसिंग शामिल है (इंसब्रुक, ऑस्ट्रिया),

1996 में बीच वॉलीबॉल

(अटलांटा, अमरीका),

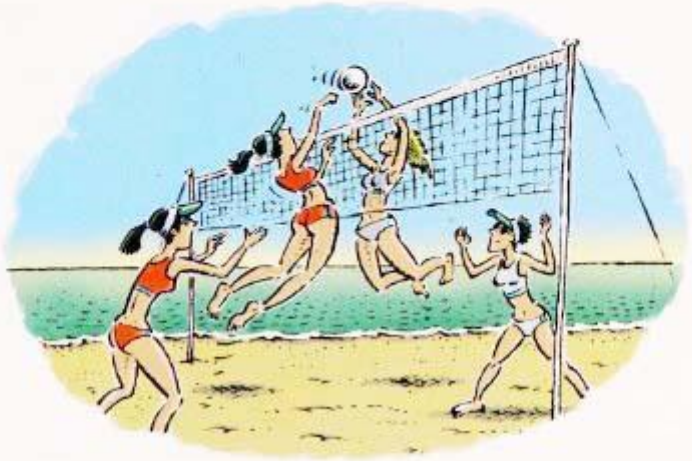

और 1998 में स्नोबोर्डिंग

(नागानो, जापान).

बीजिंग, चीन में 2008 के खेलों में बीएमएक्स (BMX) साइकिलिंग को शामिल किया गया ...

... और 10-किमी (6-मील) मैराथन तैराकी दौड़ भी.

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, रीढ़ की हड्डी की चोटों वाले युद्ध के दिग्गजों के लिए, इंग्लैंड के स्टोक मैंडविले में, एक खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई.

वो बड़ी सफल हुई. फिर 1960 में विकलांग एथलीटों के लिए पहले अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक खेलों का आयोजन किया गया.

इसके बाद 1976 में पहला शीतकालीन पैरालिंपिक हुआ.

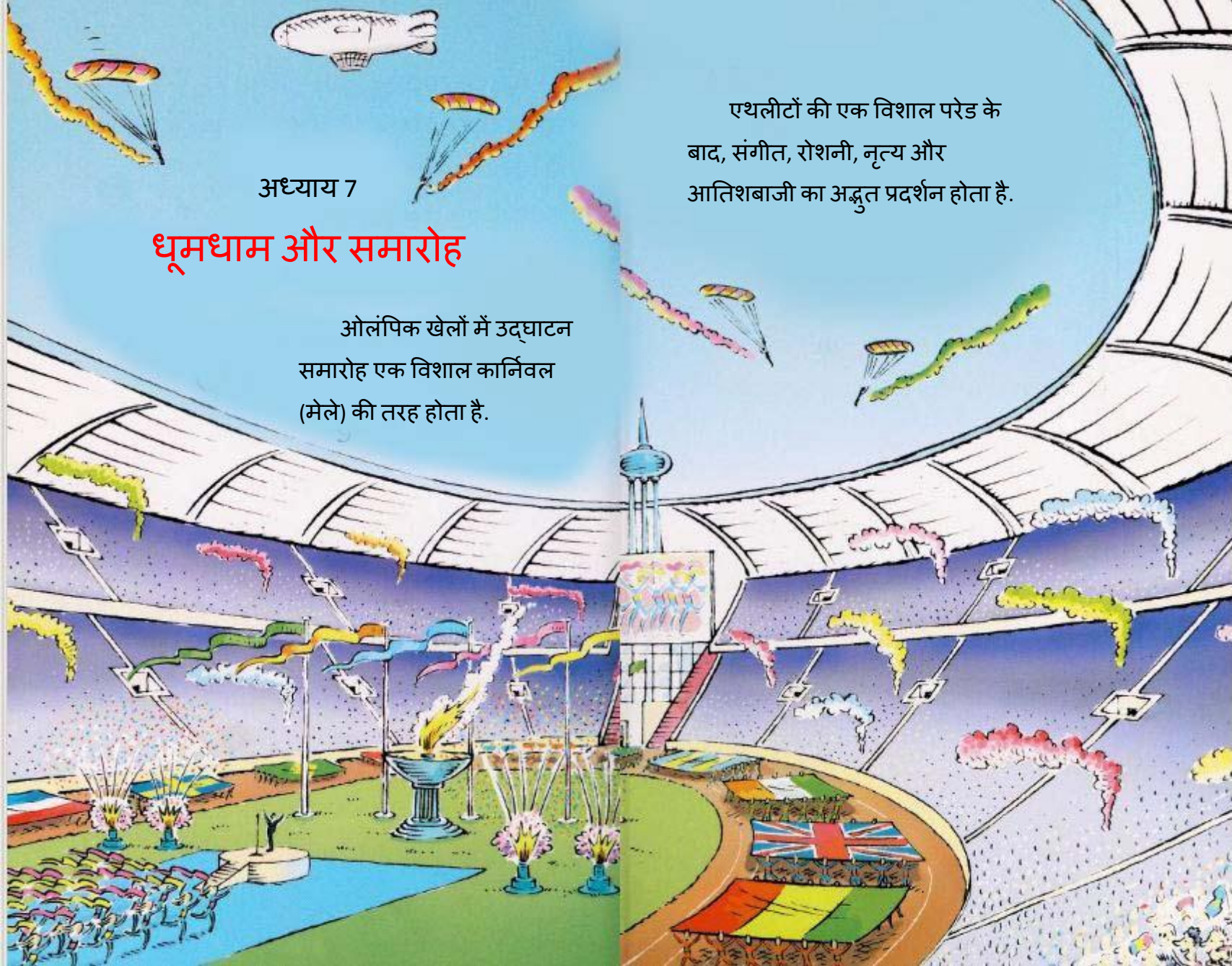

अध्याय 7

धूमधाम और समारोह

ओलंपिक खेलों में उद्घाटन समारोह एक विशाल कार्निवल (मेले) की तरह होता है.

एथलीटों की एक विशाल परेड के बाद, संगीत, रोशनी, नृत्य और आतिशबाजी का अद्भुत प्रदर्शन होता है.

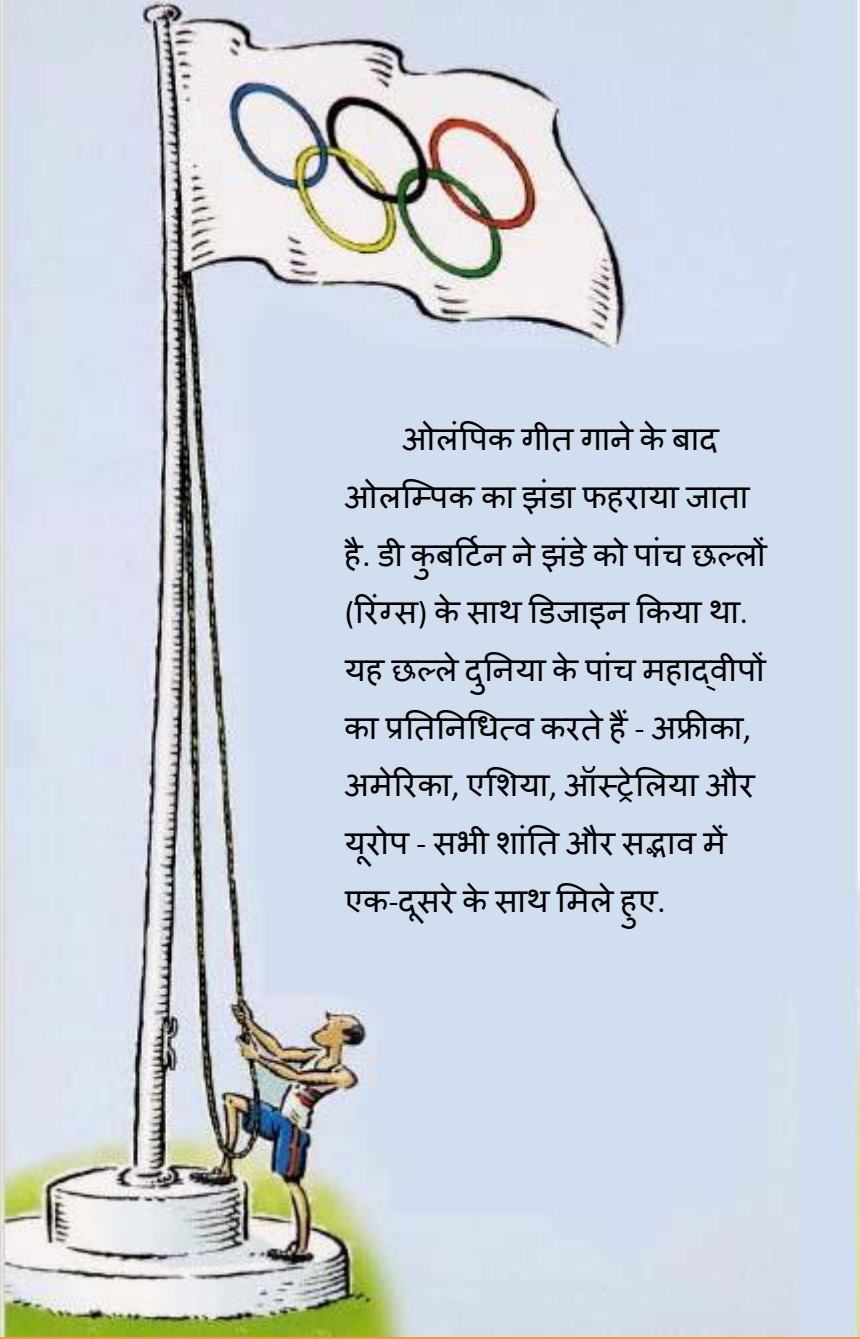

ओलंपिक गीत गाने के बाद ओलम्पिक का झंडा फहराया जाता है. डी कुबर्टिन ने झंडे को पांच छल्लों (रिंग्स) के साथ डिजाइन किया था. यह छल्ले दुनिया के पांच महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करते हैं - अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप - सभी शांति और सद्भाव में एक-दूसरे के साथ मिले हुए.

खेल शुरू होने के कुछ महीनों पहले, ओलंपिया में एक लौ जलाई जाती है और पैदल, वायु, सड़क, रेल या पानी द्वारा उस मशाल को एक रिले द्वारा ले जाया जाता है.

अंत में, एक धावक अंतिम मशाल को उद्घाटन समारोह में स्टेडियम में लाता है और वहां वो एक कड़ाही में आग जलाता है.

खेल के अंत तक वो आग जलती रहती है.

प्राचीन खेलों में भी एक ज्योति लगातार जलती रहती थी.

अध्याय 8

ओलंपिक हीरो

बर्लिन में 1936 का ओलंपिक तब हुआ जब जर्मनी में नाजी नेता एडोल्फ हिटलर शासन कर रहे थे.

हिटलर जर्मन टीम की ताकत दिखाने के लिए उत्सुक था, लेकिन खेलों का हीरो ओहियो का एक अश्वेत अमेरिकी धावक निकला, उसका नाम जेसी ओवेन्स था.

जर्मनों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, ओवेन्स ने उत्कृष्ट चार स्वर्ण पदक जीते - 100-मीटर और 200-मीटर दौड़, लंबी कूद और 100-मीटर रिले.

ओवेन्स ने एक अमेरिकी, कार्ल लुईस सहित कई शीर्ष एथलीटों को प्रेरित किया. 1984 के ओलंपिक में, लुईस ने ओवेन्स के समान ही इवेंट जीते.

चार ओलिंपिक खेलों में, लुईस ने लंबी कूद में आश्चर्यजनक चार स्वर्ण सहित, कुल नौ स्वर्ण पदक जीते.

लुईस के नौ स्वर्ण एक उल्लेखनीय फिनिश लंबी दूरी के धावक पावो नूरमी (फ्लाइंग फिन) के प्रदर्शन से मेल खाते हैं. नूरमी ने 1920, 1924 और 1928 के ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते.

1948 के लंदन ओलंपिक में एक डच एथलीट, फैनी ब्लैंकर्स कोएन, एक अंतरराष्ट्रीय हीरो बनी. 30 साल की उम्र में, वो दो बच्चों की मां थी. बहुत से लोगों को उसकी सफलता की बहुत कम ही उम्मीद थी. पर उसने 100-मीटर, 200-मीटर, 80-मीटर बाधा दौड़ और 4 x 100-मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीते.

1968 के मेक्सिको सिटी ओलंपिक के सितारों में एक थे अमेरिकी बॉब बीमन. उन्होंने लंबी छलांग में 8.9-मीटर (34-फीट) की छलांग लगाई, और पुराने विश्व रिकॉर्ड को 55-सेमी (22-इंच) से तोड़ दिया.

उसके बाद बीमन इतना उत्साहित हुआ कि वो यह कहते हुए अपने घुटनों पर गिर गया, “मुझे बताओ कि कहीं मैं सपना तो नहीं देख रहा हूँ!" उनका विश्व रिकॉर्ड 23 साल तक चला.

1972 के म्यूनिख ओलंपिक में, अमेरिकी तैराक मार्क स्पिट्ज ने एक सप्ताह में सात स्वर्ण पदक जीते और सात विश्व रिकॉर्ड बनाए.

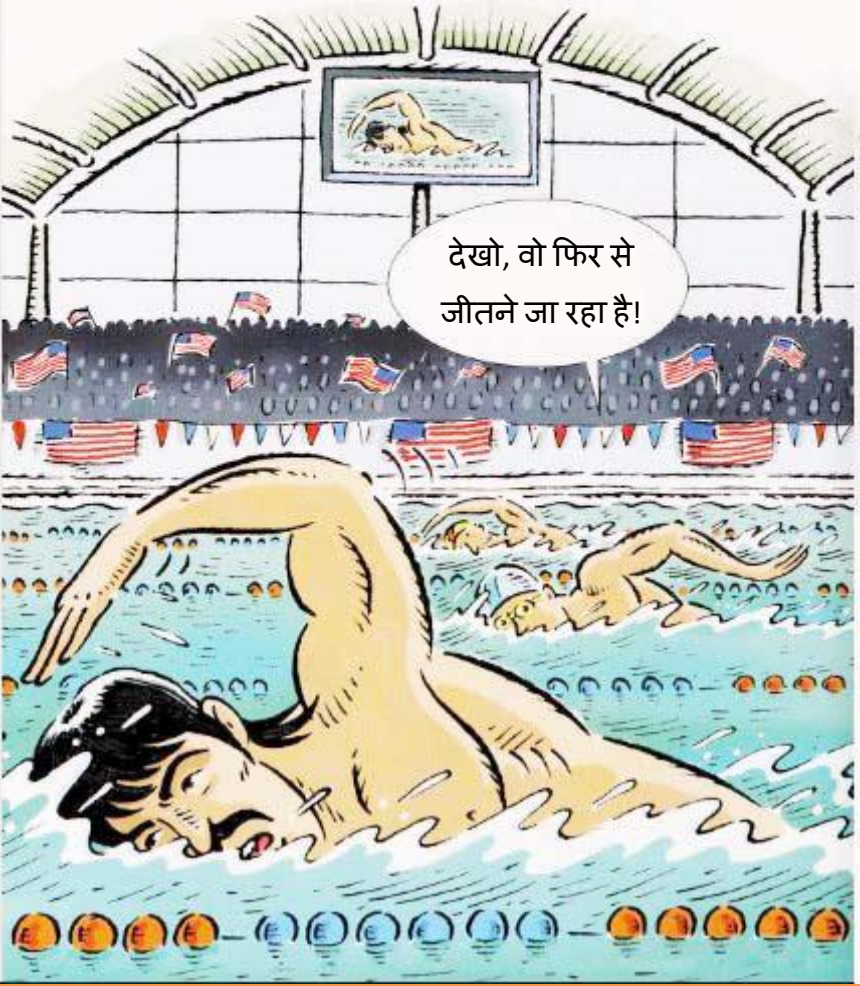

और कनाडा के मॉन्ट्रियल में 1976 के ओलंपिक में, 14 वर्षीय रोमानियाई जिमनास्ट नादिया कोमेनेसी ने दर्शकों को प्रसन्न किया.

वो सही 10 अंक हासिल करने वाली पहली जिमनास्ट थीं और छह स्पर्धाओं में '10' जीती थीं. लेकिन स्कोरबोर्ड उसके लिए नहीं बनाए गए थे, इसलिए उसका स्कोर सिर्फ "1" ही दिखा.

ब्रिटिश रोवर स्टीव रेडग्रेव ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में 2000 के खेलों में ओलंपिक इतिहास बनाया. अपनी रोइंग प्रतियोगिता जीतने के बाद, वो पांच ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाले "धीरज खेल" (इनड्योरेन्स स्पोर्ट) में पहले एथलीट बने.

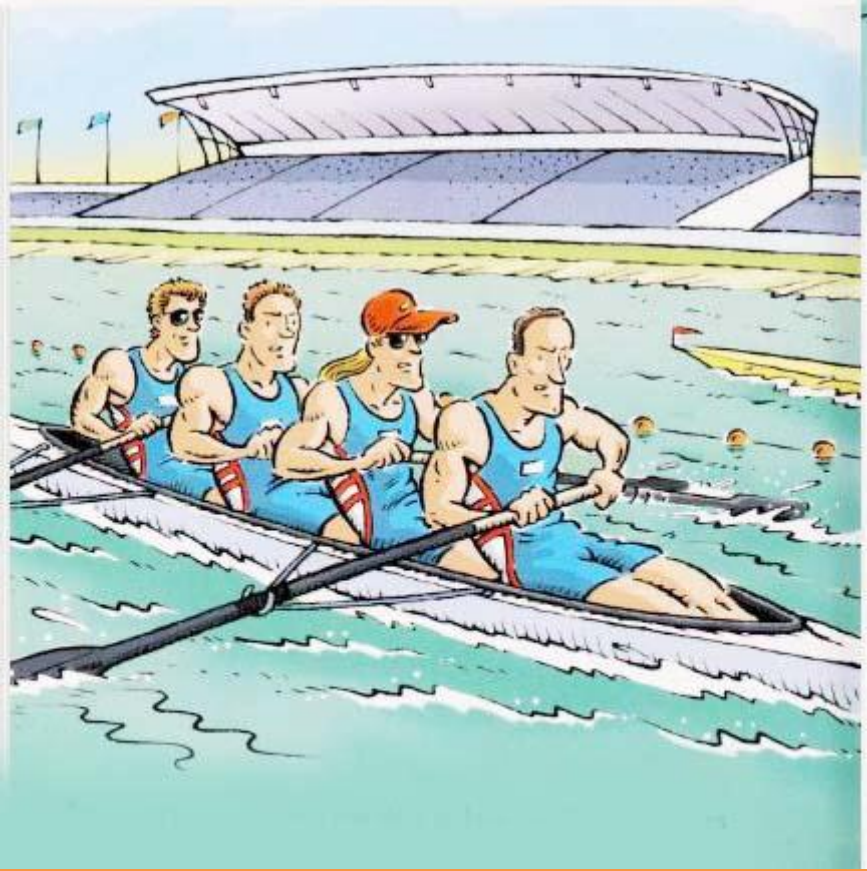

पूर्वी जर्मन कैनोइंग स्टार बिरगिट फिशर ने 1980 में मास्को, रूस के आयोजित खेलों में 18 साल की उम्र में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने 24 साल बाद जर्मनी के लिए अपना आठवां स्वर्ण पदक जीता, 2004 एथेंस खेलों में - जो उनका छठा ओलंपिक था. यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी.

आज ओलंपिक दुनिया का सबसे बड़ा खेल उत्सव बन गया है.

केवल 100 वर्षों तक चलने के बाद, किसे पता कि आधुनिक खेल, प्राचीन खेलों जितने लम्बे अर्से चलेंगे, जो 1,000 से अधिक वर्षों से जारी हैं.

अगर ऐसा होता है तब लोग वर्ष 3062 में भी ओलंपिक देख रहे होंगे और प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे होंगे...

ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की तिथियां

1896 एथेंस, यूनान
1900 पेरिस, फ्रांस
1904 सेंट लुइस, अमेरीका
1908 लंदन, यूके
1912 स्टॉकहोम, स्वीडन
1916 आयोजित नहीं हुआ (विश्व युद्ध)
1920 एंटवर्प, बेल्जियम
1924 पेरिस, फ्रांस
1928 एम्सटर्डम, नीदरलैंड्स
1932 लॉस एंजिल्स, आईजेएसए
1936 बर्लिन, जर्मनी
1940 आयोजित नहीं हुआ (विश्व युद्ध)
1944 आयोजित नहीं हुआ (विश्व युद्ध)
1948 लंदन, यूके
1952 हेलसिंकी, फिनलैंड
1956 मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
1956 स्टॉकहोम, स्वीडन
(1960 रोम, इटली
1964 टोक्यो, जापान,
1968 मेक्सिको सिटी, मेक्सिको
1972 म्युनिख, जर्मनी
1976 मॉन्ट्रियल, कनाडा
1980 मास्को, रूस
1984 कानून एंजिल्स, यूएसए
1988 सियोल, कोरिया
1992 बार्सिलोना, स्पेन
1996 अटलांटा, अमेरीका
2000 सिडनी, ऑस्ट्रेलिया
2004 एथेंस, ग्रीक
2008 बीजिंग, चीन
2012 लंदन, यूके

शीतकालीन ओलंपिक की तिथियां

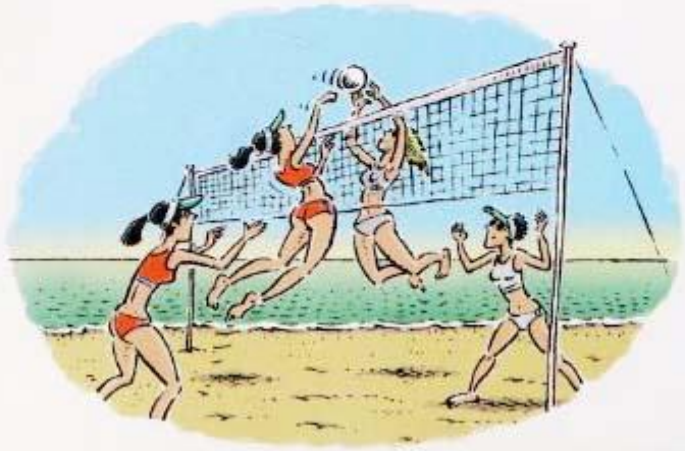

1924 चुमोनलक्स, फ्रांस
1928 सेंट मोरित्ज़, स्विट्ज़रलैंड
1932 ल्यूक प्लासिड, अमेरीका
1936 गार्मिश पार्टेनकिर्चन, जर्मनी,
1940 आयोजित नहीं हुआ (विश्व युद्ध)
194-1 आयोजित नहीं (विश्व युद्ध)
1948 सेंट मोरित्ज़, स्विट्ज़रलैंड
1952 ओस्लो, नॉर्वे
1956 कॉर्टिना डी"एम्पेज़ो, इटली
1960 स्क्वॉ वैली, यूएसए
1964 इंसब्रुक, ऑस्ट्रिया
1968 ग्रेनोबल, फ्रांस
1972 साप्पोरो, जापान
1976 इंसब्रुक, ऑस्ट्रिया
1980 लेक प्लासिड, अमेरीका
1984 साराजेवो, यूगोस्लाविया
1988 कैलगरी, कनाडा
1992 अल्बक्रटविले, फ्रांस
1994 लिलेहैमर, नॉर्वे
1998 नागानो, जापान
2002 साल्ट ल्यूक सिटी, यूएसए
2006 ट्यूरिन, इटली
2010 वैंकूवर, कनाडा
2014 सोची, रूस

ओलम्पिक खेलों की कहानी

प्राचीन ग्रीस में एक उत्सव से लेकर आज एक विश्वव्यापी आयोजन तक, ओलंपिक ने एथलीटों और समर्थकों को समान रूप से प्रेरित किया है. पता करें कि दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजन का जन्म कैसे हुआ और ओलंपिक इतिहास बनाने वाले अद्भुत नायकों को खोजें.